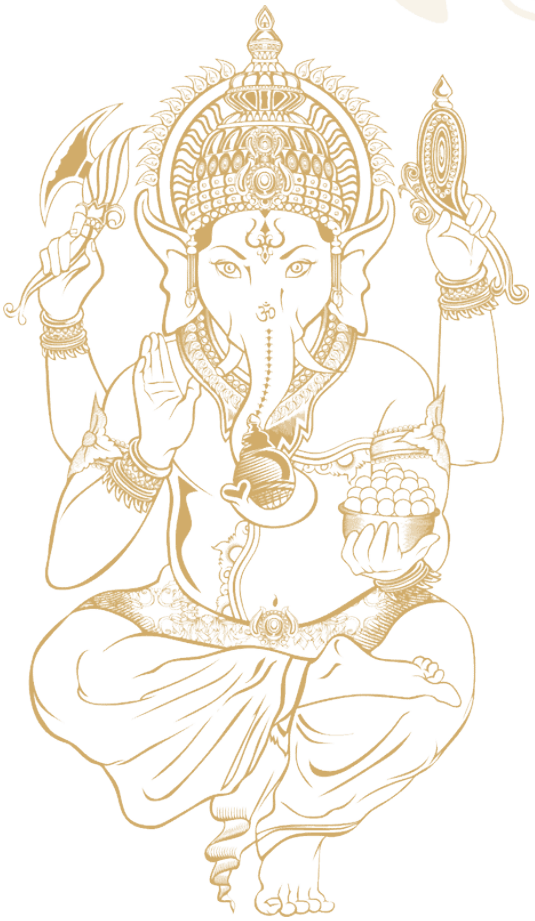

01 Feb 2026

08:33 AM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121510904

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/02/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**08:33:00 घंटे**
इष्ट	04:59:53 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:43:48 घंटे
वेलान्तर	-00:13:33 घंटे
साम्पातिक काल	17:29:10 घंटे
सूर्योदय	06:33:02 घंटे
सूर्यास्त	17:32:48 घंटे
दिनमान	10:59:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	18:01:49 मकर
लग्न के अंश	25:12:14 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	प्रीति
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हे-हेमन्त
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	25:12:14	492:28:38	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
सूर्य			मक	18:01:49	01:00:53	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	07:30:48	14:19:53	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	स्वराशि
मंगल		अ	मक	12:36:14	00:46:58	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	25:28:31	01:46:02	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:07:23	00:06:40	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	24:06:50	01:15:17	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
शनि			मीन	04:25:47	00:05:55	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:53:15	00:03:33	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:53:15	00:03:33	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:14:24	00:00:09	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:55:12	00:01:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:28:39	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृश्चि	28:41:56	--	ज्येष्ठा	--	18	मंगल	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

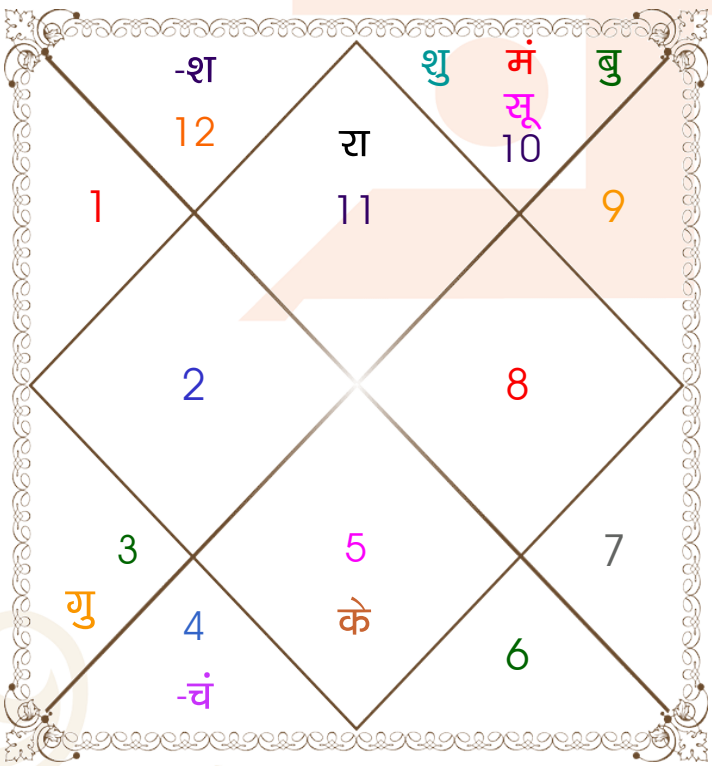

चन्द्र कुंडली

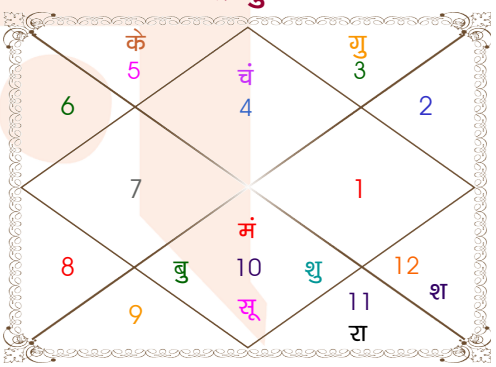

नवमांश कुंडली

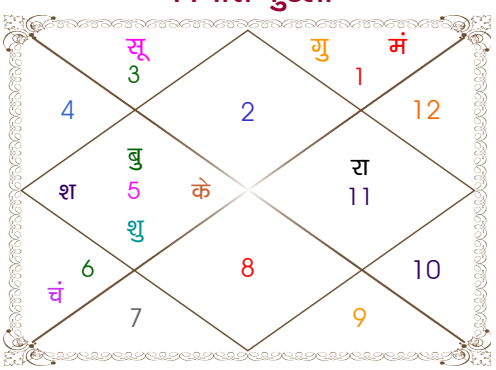

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 13 वर्ष 0 मास 15 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/02/2026		17/02/2039		17/02/2056		17/02/2063		17/02/2083	
17/02/2039		17/02/2056		17/02/2063		17/02/2083		17/02/2089	
	00/00/0000	बुध	16/07/2041	केतु	15/07/2056	शुक्र	19/06/2066	सूर्य	07/06/2083
	01/02/2026	केतु	13/07/2042	शुक्र	15/09/2057	सूर्य	19/06/2067	चंद्र	06/12/2083
केतु	09/12/2026	शुक्र	13/05/2045	सूर्य	20/01/2058	चंद्र	17/02/2069	मंगल	12/04/2084
शुक्र	08/02/2030	सूर्य	19/03/2046	चंद्र	21/08/2058	मंगल	19/04/2070	राहु	07/03/2085
सूर्य	21/01/2031	चंद्र	19/08/2047	मंगल	18/01/2059	राहु	18/04/2073	गुरु	24/12/2085
चंद्र	21/08/2032	मंगल	15/08/2048	राहु	05/02/2060	गुरु	18/12/2075	शनि	06/12/2086
मंगल	30/09/2033	राहु	04/03/2051	गुरु	11/01/2061	शनि	17/02/2079	बुध	12/10/2087
राहु	06/08/2036	गुरु	09/06/2053	शनि	20/02/2062	बुध	18/12/2081	केतु	17/02/2088
गुरु	17/02/2039	शनि	17/02/2056	बुध	17/02/2063	केतु	17/02/2083	शुक्र	17/02/2089

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
17/02/2089		17/02/2099		18/02/2106		18/02/2124		18/02/2140	
17/02/2099		18/02/2106		18/02/2124		18/02/2140		00/00/0000	
चंद्र	18/12/2089	मंगल	16/07/2099	राहु	31/10/2108	गुरु	08/04/2126	शनि	21/02/2143
मंगल	19/07/2090	राहु	04/08/2100	गुरु	27/03/2111	शनि	19/10/2128	बुध	31/10/2145
राहु	18/01/2092	गुरु	11/07/2101	शनि	31/01/2114	बुध	25/01/2131	केतु	02/02/2146
गुरु	19/05/2093	शनि	19/08/2102	बुध	19/08/2116	केतु	01/01/2132		00/00/0000
शनि	18/12/2094	बुध	17/08/2103	केतु	06/09/2117	शुक्र	01/09/2134		00/00/0000
बुध	19/05/2096	केतु	13/01/2104	शुक्र	06/09/2120	सूर्य	20/06/2135		00/00/0000
केतु	18/12/2096	शुक्र	14/03/2105	सूर्य	01/08/2121	चंद्र	19/10/2136		00/00/0000
शुक्र	18/08/2098	सूर्य	20/07/2105	चंद्र	31/01/2123	मंगल	25/09/2137		00/00/0000
सूर्य	17/02/2099	चंद्र	18/02/2106	मंगल	18/02/2124	राहु	18/02/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 13 वर्ष 0 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपके जन्मकालिक ज्यातिषीय आकृति से यह निर्दिष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन में विश्वसनीयता बनाए रखें तब आप उत्तम मानवीय स्वाभावानुकूल जीवन, आनंददायक, धन, प्रसन्नता से युक्त समृद्धि प्राप्त कर सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से सर्वोतम प्रकार के नेता जो मानवीय विश्वसनीयता से युक्त अन्य लोगों के मददगार, आदर्श एवं उदार चरित्र के प्राणी के रूप में उभर कर समाज का प्रतिनिधित्व करेंगे।

आप उदारता हेतु समर्थ होकर धन संपत्ति का संचय कर सकेंगे। आप मात्र मेधावी ही नहीं हैं। आप सर्वथा धन बनाने के करतब और चालाकी के जानकार हैं। आपमें ऐसी सक्षमता है कि स्पष्ट रूप से धन संपन्न होने के सभी तथ्यों का अच्छी प्रकार मूल्यांकन कर लेते हैं। आप अपने अंतर्ज्ञान पूर्ण शक्ति को लाभ जनित उपयोग कर आप लाभदायक परिणाम प्राप्त कर सकते हो।

आप उत्तम प्रकार के गुणों से युक्त है। आप चाहें तो अच्छे प्रकार के कार्य व्यवसाय तथा पर्यटन कार्य, औषधि, पब्लिक कंपनी के कार्य, औषधि की दुकान या निर्माण कार्य वकालत पेशा, ज्योतिषीय कार्य, धर्म दर्शन के कार्य अथवा भाषा के कार्यादि कर सकते हैं।

आप सामान्यतया अच्छे मिलनसार व्यक्ति हैं। कभी-कभी आप सहजता पूर्वक आवरण में छिप जाते हैं तथा एकांत प्रियता को प्रस्तुत करते हैं। आप किसी अवसर पर सुरक्षित हो जाते हैं। तब आपके मित्र एवं व्यावसायिक सहयोगी को आपके साथ किसी प्रकार के व्यवहार में दिक्कतें उत्पन्न हो जाती है। आपके लिए आवश्यक है कि आप इस विशेषता को त्याग दें। परंतु आप सदैव वाचालिक प्रवृति से दूसरों को प्रभावित करते हैं तथा अपनी व्यंगात्मक विनोद प्रियता से लोगों के मन पर विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने मित्रों की बड़ी मंडली के साथ अच्छा संबंध रखते हैं। मात्र कुछ समय आपके कुछ मित्रगण गोल माल करते हैं तो उन्हें विश्वास नहीं करने योग्य समझ कर उसे बाहर निकाल कर बहिष्कृत कर देते हैं।

आप किसी के भी पीछे की आधार स्तंभ का सर्वप्रथम अध्ययन कर गोल माल नहीं करने वाला समझ कर अपने से निकटता का संबंध स्थापित कर लेते हैं।

आप विपरीत योनि के प्रति संभोगात्मक प्रवति से सहजतापूर्वक प्रभावित होने वाले प्राणी हैं। आप निश्चित रूप से अपने जीवन में कोई जीवन संगी (प्रेमिका) अवश्य बनाएंगे। कुंभ राशीय प्रभाव से आपका वैचारिक मतैक्यता उनसे हो सकती है जिनका जन्म मिथुन अथवा तुला लग्न में जन्म हुआ हो।

एक बार आपका वैवाहिक जीवन सुव्यवस्थित एवं प्रतिबंधित हो जाना संभाव्य है। आप प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन बिता सकेंगे। आप अपनी पत्नी एवं अपने प्यारी संतान

से युक्त होकर आपकी इच्छा का विस्तार होगा तथा अपने कार्य प्रणाली एवं उद्देश्य के अनुसार आपका नाम और आपकी प्रसिद्धि मिलेगी। आप सर्वथा पूर्ण निर्मित एवं व्यवस्थित भवन प्राप्त कर सकेंगे।

आप एक सामाजिक प्राणी हैं तथा यदा कदा अपने मित्रों को आमंत्रित कर अपने घर पर बुलाना पसंद करते हैं।

आपका स्वास्थ्य स्पष्ट रूप से अच्छा रहेगा परंतु कतिपय संभावित रोगादि की संभावनाओं के विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाना उत्तम होगा। कालांतर में रोगादि से प्रभावित होने की अशुभ संकट की आशंका है। आपके समक्ष हृदय की धड़कन, आंत्र शोथ एवं हार्नियां रोगादि की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए अंकों में अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक अनुकूल प्रतीत होता है। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग उत्तम है। परंतु रंग नारंगी, हरा एवं नीला रंग आपके हित त्याज्य एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं अत्यधिक लाभकारी दिन बुधवार शनिवार एवं शुक्रवार का दिन हैं। शेष रविवार, मंगलवार, एवं सोमवार का दिन आपके लिए बाधित एवं प्रतिकूल दिन हैं।